शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए सितम्बर, 2024 माह का मासिक सारांश:

सितम्बर, 2024 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियाँ

(i) "मेक एआई इन इंडिया एंड मेक एआई वर्क फॉर इंडिया" की संकल्पना को साकार करने के लिए, सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 की अवधि के लिए 990.00 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना को मंजूरी दी थी। उद्योग जगत में अग्रणी और विशेषज्ञों वाली एक शीर्ष समिति ने शैक्षिक संस्थाओं से प्राप्त सभी प्रस्तावों की जांच की। शीर्ष समिति की सिफारिश के आधार पर, शिक्षा मंत्रालय ने तीन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) क्रमश: एम्स दिल्ली में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआई के उत्कृष्टता केंद्र - आईआईटी, दिल्ली, आईआईटी रोपड़ में कृषि के क्षेत्र में एआई के उत्कृष्टता केंद्र तथा आईआईटी कानपुर में सतत शहरों में एआई के उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हेतु तीन शैक्षणिक संस्थानों को मंजूरी दी।

(ii) भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 5 सितंबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 82 चयनित पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक प्रमाण पत्र, 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक रजत पदक दिया जाता है। उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) से 16 शिक्षकों का चयन किया गया है। इन शिक्षकों ने शिक्षण-अधिगम की प्रभावशीलता, आउटरीच गतिविधियों, शोध और नवाचार, और प्रायोजित शोध/ संकाय विकास कार्यक्रमों/ परामर्श शिक्षण जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। उपर्युक्त में, अधिगम की प्रभावशीलता और आउटरीच गतिविधियों का प्रमुख महत्व है।

(iii) 04 सितंबर, 2024 को उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया। उन्होंने सभी यूजीसी नियमों के एकल, सुलभ और विश्वसनीय स्रोत के रूप में यूजीसी विनियमों का संग्रह (1957-2023) भी जारी किया। आईडीपी संबंधी कार्यशाला उच्च शिक्षा संस्थानों को एक साथ लाती है ताकि संस्थागत वृद्धि और विकास के लिए कार्यनीतियों पर चर्चा की जा सके। यह संग्रह संस्थानों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करेगा क्योंकि वे अपने आईडीपी को विकसित और कार्यान्वित करेंगे। इस कार्यशाला में पूरे भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के 170 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, आईडीपी संस्थानों को भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली हेतु अपने दृष्टिकोण, मिशन और लक्ष्यों का विस्तार करने के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शिका प्रदान करता है।

(iv) शिक्षा मंत्रालय के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों और स्वायत्त निकायों ने स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 के तीन मुख्य स्तंभों स्वच्छता की भागीदारी; स्वच्छता लक्षित इकाई सहित सम्पूर्ण स्वच्छता; और सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उच्चतर शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा आयोजित लंबित मामलों के निपटान हेतु विशेष अभियान (एसीडीपीएम) 4.0 के प्रारंभिक चरण में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

(v) एनटीए द्वारा परीक्षा आयोजित करने के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) केंद्र स्थापित करने हेतु राज्य संस्थानों में रिक्त निर्मित स्थान चिह्नित करने के लिए दिनांक 20 सितंबर, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्यों के अपर मुख्य सचिवों/प्रधान सचिवों/उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा सचिवों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, सीबीटी केंद्रों की स्थापना के संबंध में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए राज्यों से ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से रिक्त स्थान की सूचना एकत्र की गई है। केंद्रीय संस्थानों में भी इसी प्रकार की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दिनांक 20 सितंबर, 2024 को सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और आईआईटी/एनआईटी तथा सीएफआई के निदेशकों के साथ भी एक बैठक आयोजित की गई।

(vi) दिनांक 11 सितंबर 2024 को पड्र्यू यूनिवर्सिटी, अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक आयोजित की गई। पड्र्यू, कार्यबल के क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा उद्योग सहयोग के लिए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) से जुड़ा हुआ है। पड्र्यू विश्वविद्यालय अमेरिका के शीर्ष 50 उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है, अमेरिका के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में शीर्ष 10 में है, तथा इसके पेटेंट अमेरिका में शीर्ष 4 में से एक माने जाते हैं। चर्चाओं के दौरान, दोनों पक्षों ने कई क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का अन्वेषण किया, जैसे कि भारतीय संस्थानों के साथ साझेदारी में युगल उपाधि पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करना; उभरती तकनीकों/एआई/सेमीकंडक्टर्स से जुड़ाव को सुदृढ़ करना; परस्पर हित के क्षेत्रों में गहन शोध हेतु भागीदारी बढ़ाने की संभावनाएँ; भारत में पड्र्यू विश्वविद्यालय का शाखा परिसर स्थापित करना (प्रतिनिधिमंडल ने भारत में एआई, सेमीकंडक्टर और क्वांटम तकनीक पर केंद्रित पहले इंडो-ग्लोबल चैलेंज इंस्टीट्यूट की स्थापना के प्रति पड्र्यू की रुचि व्यक्त की); और एक संयुक्त पर्यवेक्षण कार्यक्रम विकसित करना, जिसमें पड्र्यू और भारतीय विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से मास्टर और पीएचडी उम्मीदवारों के शोध प्रबंध की देखरेख कर सकें।

(vii) आईआईएम बैंगलोर ने 16.09.2024 को डिजिटल बिजनेस और उद्यमिता में बीबीए-डीबीई स्नातक कार्यक्रम शुरू किया। डिजिटल बिजनेस और उद्यमिता में बीबीए-डीबीई स्नातक कार्यक्रम तीन वर्षीय ऑनलाइन डिग्री है, जिसे प्रवेश की तिथि से अधिकतम छह शैक्षणिक वर्षों के भीतर पूरा किया जा सकता है। शिक्षार्थियों के पास कई निकासी विकल्प होंगे और वे एक प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, या डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। जो छात्र प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा लेकर कार्यक्रम से बाहर निकलना चाहते हैं, वे कुछ शर्तों के साथ, डिग्री पूरी करने के लिए कार्यक्रम में पुनः शामिल हो सकते हैं। पाठ्यक्रम असमकालिक रूप से ऑनलाइन प्रदान किए जाएंगे, जबकि परीक्षा पूरे भारत में विभिन्न केंद्रों पर ऑफ़लाइन आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम एक स्वतंत्र प्राथमिक डिग्री के रूप में किया जा सकता है या इसे छात्र द्वारा किए जा रहे किसी अन्य शैक्षिक कार्यक्रम के साथ भी किया जा सकता है।

***